चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान में अब पढ़ाई कर सकेंगे विदेशी छात्र

पहल

पटना,मुख्य संवाददाता। राजधानी के प्रतिष्ठत संस्थान सीआईएमपी में अब विदेशी मूल के छात्र भी पढ़ सकेंगे। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत बहुआयामी उपक्रम एजुकेशनल कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड द्वारा चलाये जा रहे स्टडी इन इंडिया कार्यक्रम में विदेशी मूल के छात्रों के अध्यापन व अध्ययन के लिए संस्थान को अधिकृत कर दिया है। इस उपलब्धि पर संस्थान के कार्यकारी निदेशक डॉ. राणा सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि चन्द्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना बिहार सरकार का पहला प्रबंधन संस्थान है जिसे स्टडी इन इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत विदेशी मूल के छात्रों के अध्यापन व अध्ययन के लिए अधिकृत किया गया है। इस उपलब्धि के बाद विदेशी मूल के छात्र कैंपस में भारतीय छात्रों के साथ पढ़ाई करेंगे। इससे छात्रों को अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक प्रबंधन के बारे में भी एक्सपीरिन्सियल लर्निंग का मौका मिलेगा। विदेशी मूल के छात्रों के आगमन से विदेशी मुद्रा कोष में बढ़ोत्तरी होगी। संस्थान के छात्रों को विदेशों में अंतरराष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी की संभावनाओं को नया आयाम मिलेगा।

चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना की उपस्थिति studyinindia. gov. in पोर्टल पर दर्ज हो गयी है। निदेशक ने कहा कि संस्थान की शैक्षिक उत्कृष्टता हर दिन सुधर रही है। संस्थान का एनआईआरएफ रैंकिंग भी बेहतर हुआ है।

Hindustan (Hindi) ! Page.No-11 ! Dated:17-03-2022

CIMP gets permission to admit foreign students

OUR CORRESPONDENT

PATNA: Chandragupt Institute of Management Patna has focused on regaining excellence in higher education to revive the glorious past in the domain of higher education. Chandragupt Institute of Management Patna has been permitted by Study in India Programme to take admission of foreign students operationalized by Educational Consultants India Limited which is public sector undertaking under Ministry of Education, Govt. of India.

Chandragupt Institute of Management Patna is the first and the only institute of Government of Bihar which has been approved to grant admission to the foreign students for conducting teaching and learning in the domain of Management. National and International academic accreditation bodies have certain standards and parameters for internationalization and student diversity. The arrival of foreign students will make a significant contribution in the development of English Communications skills, personality development and interpersonal skills of the students. The admission of foreign students will significantly contribute to the forex revenue of the institute, state and the country. The admission of foreign students will also give exponential growth to the possibilities of employment opportunities in various international and multinational companies in foreign countries. The presence of Chandragupt Institute of Management Patna has been registered on the studyinindia.gov.in portal.

Foreign-origin students will now be studying in the institute after getting permission to admit international students. This will motivate the students to excel in the international competition. This achievement will prove to be a milestone in the development oriented process of the Institute.

With the permission of this process, Chandragupt Institute of Management Patna and Bihar state will pioneer the journey of academic excellence all over the world.

Foreign origin students will give students and faculty members an unprecedented opportunity to learn and understand various aspects of culture and cross cultural management of different countries.

On this occasion, the Director-in-Charge of the Institute, Dr. Rana Singh while congratulating all the members of the Chandragupt Institute of Management Patna said that in the times to come, we should focus on research, innovation, patents, startups, publications, IPRs, internationalization etc. with focus on academic excellence. We should remain focused and committed to take the institute to new heights at the national and international level in the times to come.

Morning India ! Page.NO-03 ! Dated:17-03-2022

सीआइएमपी में पढ़ेंगे विदेशी छात्र, केंद्र सरकार की अनुमति

पांच सीटें तय

संवाददाता ▷ पटना

चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना (सीआइएमपी) बिहार सरकार का पहला प्रबंधन संस्थान बना गया जहां विदेशी स्टूडेंट्स पढ़ाई कर सकेंगे. फिलहाल पांच सीटें विदेशी स्टूडेंट्स के लिए तय की गयी है. स्टडी इन इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत विदेशी मूल के छात्रों के अध्यापन व अध्ययन के लिए अधिकृत किया गया है. सीआइएमपी की उपस्थिति studyinindia.gov.in पोर्टल पर दर्ज हो गयी है. इससे संस्थान और संस्थान के स्टूडेंट्स को कई प्रकार के फायदें होंगे. यह बातें सीआइएमपी के प्रभारी निदेशक डॉ राणा सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बुधवार को कही. उन्होंने बताया कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत बहुआयामी उपक्रम एजुकेशनल कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड के द्वारा चलाये जा रहे स्टडी इन इंडिया कार्यक्रम में विदेशी मूल के छात्रों के अध्यापन और अध्ययन के लिए अधिकृत कर दिया है. विदेशी छात्रों के यहां पढ़ने से हमारे विद्यार्थियों में इंटरपर्सनल रिलेशनशिप, क्रॉस क्लचरल मैनेजमेंट, इंटरनेशनल प्लेसमेंट का रिकॉर्ड सुधरेगा. स्टूडेंट्स की अंग्रेजी बोलने की क्षमता में सुधार आयेगी. व्यक्तित्व विकास और अंतर वैयक्तिक संबंधों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा. साथ ही राज्य और देश के विदेशी मुद्रा कोष में बढ़ोतरी होगी. उन्होंने आगे कहा कि सबसे बड़ा फायदा होगा कि पटना के स्टूडेंट्स को विदेशों में अंतरराष्ट्रीय एवम् बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी की संभावनाएं बढ़ेगी. मौके पर डॉ राणा सिंह ने सीआइएमपी के सभी सदस्यों को बधाई दी. कहा आने वाले समय में अकादमिक उत्कृष्टता के साथ शोध, स्टार्टअप, प्रकाशन और पेटेंट को नये आयाम देने की पूरी कोशिश करेंगे.

Prabhat Khabar ! Page.No-04
Dated:17-03-2022

बिहार सरकार का यह ऐसा पहला प्रबंधन संस्थान

सीआईएमपी में पढ़ेंगे विदेशी विद्यार्थी, 5 सीटें होंगी रिजर्व

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

चन्द्रगुप्त प्रबंध संस्थान बिहार सरकार का पहला प्रबंधने संस्थान बना जहां विदेशी विद्यार्थी पढ़ाई कर सकेंगे। फिलहाल पांच सीटें विदेशी छात्रों के लिए होंगी। स्टडी इन इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत विदेशी मूल के छात्रों के अध्यापन व अध्ययन के लिए अधिकृत किया गया है। चन्द्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना की उपस्थिति studyinindia.gov.in पोर्टल पर दर्ज हो गयी है। इससे संस्थान और संस्थान के विद्यार्थियों को कई प्रकार के फायदें होंगे। यह बातें सीआईएमपी के प्रभारी निदेशक डॉ० राणा सिंह ने प्रेस वार्ता के दौरान बुधवार को कही। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत बहुआयामी उपक्रम एजुकेशनल कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड के द्वारा चलाए जा रहे स्टडी इन इंडिया कार्यक्रम में विदेशी मूल के छात्रों के अध्यापन और अध्ययन के लिए अधिकृत कर दिया है। विदेशी छात्रों के यहां पढ़ने से हमारे विद्यार्थियों में इंटरपर्सनल रिलेशनशिप, क्रॉस कलचरल मैनेजमेंट, इंटरनेशनल प्लेसमेंट का रिकॉर्ड सुधरेगा। विद्यार्थियों की अंग्रेजी बोलने की क्षमता में सुधार आएगी। व्यक्तित्व विकास और अंतर वैयक्तिक संबंधों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा। साथ ही राज्य और देश के विदेशी मुद्रा कोष में बढोतरी होगी।

उन्होंने आगे कहा कि सबसे बड़ा फायदा होगा कि पटना के छात्रों को विदेशों में अंतरराष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी की संभावनाएं बढ़ेगी। मौके पर डॉ० राणा सिंह ने चन्द्रगुप्त प्रबंध संस्थान के सभी सदस्यों को बधाई दी। कहा कि आने वाले समय में अकादमिक उत्कृष्टता के साथ शोध, नवाचार, पेटेंस, स्टार्टअप, प्रकाशन और पेटेंट को नए आयाम देने की पूरी कोशिश करेंगे।

Dainik Bhaskar ! Page.No-05
Dated:17-03-2022

अब सीआइएमपी में पढ़ सकेंगे विदेशी

जागरण संवाददाता, पटना : चन्द्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना (सीआइएमपी) में अब विदेशी मूल के विद्यार्थी भी पढ़ाई कर सकेंगे। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के एजुकेशनल कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड के स्टडी इन इंडिया कार्यक्रम में विदेशी मूल के छात्रों के अध्यापन व अध्ययन के लिए संस्थान को अधिकृत कर दिया है। इस बाबत संस्थान के निदेशक डा. राणा सिंह ने बताया कि सीआइएमपी पोर्टल पर दर्ज हो गयी है। इससे संस्थान और संस्थान के विद्यार्थियों को कई प्रकार के फायदें होंगे। विदेशी छात्रों के यहां पढ़ने से हमारे विद्यार्थियों में इंटरपर्सनल रिलेशनशिप, क्रास कल्चरल मैनेजमेंट, इंटरनेशनल प्लेसमेंट का रिकार्ड सुधरेगा। विद्यार्थियों की अंग्रेजी बोलने की क्षमता में सुधार आएगा। व्यक्तित्व विकास और अंतर वैयक्तिक संबंधों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

Dainik Jagran
Page.NO-11
Dated:17-03-2022